लखनऊ
सोमवार, 29 जनवरी 2024
वर्षः-08 अंकः-27
पृष्ठः-8 मूल्यः- 2 रुपये
RNI- UPHIN/2016/74800

हिन्दी साप्ताहिक

करण वाणी

नई सोच, नया जुनून.....

बिहार में 9वीं बार नीतीश बने सीएम, सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा डिप्टी सीएम

करण वाणी, न्यूज

नई दिल्ली। बिहार में बड़े सियासी घटनाक्रम में नीतीश कुमार के इस्तीफे के साथ ही महागठबंधन सरकार का अंत हो गया और नीतीश कुमार ने 9वीं बार उट पद की शपथ ली है. नीतीश कुमार के साथ सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा ने भी शपथ ग्रहण किया है. सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा को उपमुख्यमंत्री बनाया गया है. वहीं, डॉ. प्रेम कुमार (बीजेपी), विजय कुमार चौधरी (जेडीयू), बिजेंद्र प्रसाद यादव (जेडीयू), श्रवण कुमार (जेडीयू) संतोष कुमार सुमन (हम), सुमित कुमार सिंह (निर्दलीय) मंत्री पद के लिए शपथ ग्रहण किया

बिहार के राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर ने दिलाई शपथ

- सम्राट चौधरी ने बिहार के उप मुख्यमंत्री की शपथ ली.
- विजय कुमार सिन्हा ने बिहार के उप मुख्यमंत्री पद की शपथ ली.
- जदयू के बिजेंद्र प्रसाद यादव ने नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली नई सरकार में मंत्री पद की शपथ ली
- जदयू के विजय कुमार चौधरी ने नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली नई सरकार में मंत्री पद की शपथ ली.
- जदयू के श्रवण कुमार ने नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली नई सरकार में मंत्री पद की शपथ ली.
- हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) के अध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार सुमन ने नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली नई सरकार में मंत्री पद की शपथ ली.
- निर्दलीय विधायक सुमित कुमार सिंह ने नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली नई सरकार में मंत्री पद की शपथ ली।

कौन हैं सम्राट चौधरी?

सम्राट चौधरी को पिछले साल ही बीजेपी ने बिहार का प्रदेश अध्यक्ष बनाया था. सम्राट चौधरी कुशवाहा समाज से आते हैं. उनका जन्म 16 नवंबर 1968 को मुंगेर के लखनपुर गांव में हुआ था. सम्राट चौधरी शकुनी चौधरी के पुत्र हैं. शकुनी चौधरी समता पार्टी के संस्थापक सदस्यों में से एक हैं. बिहार बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बनने से पहले सम्राट चौधरी बिहार विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष थे

कौन हैं विजय सिन्हा?

भूमिहार समुदाय से आने वाले विजय सिन्हा बीजेपी के जाने माने नेता हैं. महागठबंधन से पहले बिहार में जब बीजेपी की सरकार थी तो उस दौरान विजय सिन्हा को बिहार विधानसभा का अध्यक्ष चुना गया था. नीतीश कुमार के से गठबंधन तोड़ने के बाद विजय सिन्हा को विधानसभा अध्यक्ष पद छोड़ना पड़ा था।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्यपाल राजेन्द्र वी आर्लेकर को रविवार सुबह अपना इस्तीफा सौंप दिया था. अधिकारियों ने बताया कि राज्यपाल ने कुमार का इस्तीफा स्वीकार कर लिया और नयी सरकार के गठन तक उन्हें कार्यवाहक मुख्यमंत्री बने रहने को कहा. राज्यपाल को इस्तीफा सौंपकर राजभवन से लौटने के बाद नीतीश ने संवाददाताओं से कहा, "मैंने आज मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया." उन्होंने कहा कि वह महागठबंधन' से अलग होकर नया गठबंधन बनाएंगे.

बिहार में भाजपा के प्रभारी विनोद तावड़े ने जनता दल (यूनाइटेड) अध्यक्ष नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद कहा, "आज हुई विधायक दल की बैठक में भाजपा विधायकों ने जद (यू) के समर्थन से राज्य में राजग सरकार बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी. भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष सम्राट चौधरी को विधायक दल का नेता और विजय सिन्हा को उपनेता चुना गया।

तेजस्वी का बयान, खेला बाकी है, आज शपथ ले लें...

महागठबंधन सरकार गिरने के बाद पहली बार तेजस्वी यादव ने मीडिया से बात की, इस दौरान उन्होंने नीतीश कुमार पर निशाना साधा।

करण वाणी, न्यूज

पटना। बिहार की राजनीतिक हालात पर आरजेडी नेता और पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने कहा कि नीतीश कुमार पहले भी आदरणीय थे. आज भी हैं. उनके जो विधायक हैं वो 45 हैं. हम क्यों नहीं क्रेडिट लें? यही (नीतीश कुमार) पहले कहते थे कि नौकरी देना संभव नहीं है. उनसे एक हफ्ते के अंदर उनसे बोलवाने का काम किया. इसके साथ ही स्पोर्ट्स पॉलिसी लाए. 70 दिन के अंदर 2 लाख से अधिक नौकरी दी. इनसे 17 महीने के सरकार में बहुत काम करवाया. ये तो थके हुए मुख्यमंत्री हैं. अभी खेल शुरू हुआ है. खेल बाकी है. मै जो कहता हूं वो करता हूं. 2024 में जेडीयू ही खत्म हो जाएगी. शिक्षा व्यवस्था में सुधार, चिकित्सा में, रोजगार, पॉलिस लाना ये सब काम किया.

हम लोग रात में घूम कर काम करने का काम किया है. आज भले ही ये लोग शपथ ले लें कितने दिन रहेंगे ये कुछ नहीं कहा जा सकता है.

हमने ईमानदारी से काम किया हैः तेजस्वी

तेजस्वी यादव ने कहा कि डिप्टी सीएम होते हुए और आरजेडी के मंत्रियों ने इतना काम किया. कैबिनेट ने दो लाख नौकरी का फाइल रोक कर रखा है. दो बार वह फाइल नहीं आ रहा है. हमने ईमानदारी से काम किया है. अभी खेला बाकी है. हमलोग महागठबंधन सरकार उम्मीद से बनाए थे. बीजेपी नेताओं के बयान पर उन्होंने कहा कि दूसरे की टिप्पणी पर क्या बोला जाए. जनता इसकी जवाब देगी. मंच से नीतीश कुमार हमलोग के साथ कितना काम गिनवाते थे. हमलोग के साथ आने के बाद यह सब शुरू हुआ.

'जनता जवाब देगी'

आरजेडी नेता ने कहा कि जिस विजन के साथ आए थे, उसी विजन के साथ जनता के बीच में जाएंगे. आज तक किसी सरकार ने इतना नियुक्ति पत्र बांटा है क्या? इसके बाद ही केंद्र सरकार ने बांटना शुरू किया. वहीं, 'इंडिया' गठबंधन की भविष्य पर उन्होंने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन मजबूत है. जनता जवाब देगी.

खेलो इंडिया सेंटर की तर्ज पर हर ब्लॉक में होगी खेलो यूपी सेंटर की स्थापनाः सीएम योगी

⏩ मुख्यमंत्री ने एशियन गेम्स 2022, पैराएशियन गेम्स 2022 और 37वें नेशनल गेम्स 2023 के मेडलिस्ट्स को किया सम्मानित

⏩सीएम योगी ने मेडलिस्ट्स और हिस्सा लेने वाले कुल 189 खिलाड़ियों को वितरित की 62 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि

⏩ 7 पदक विजेताओं को पुलिस उपाधीक्षक, जिला युवा कल्याण अधिकारी एवं यात्री/माल कर अधिकारी के रूप में प्रदान किया नियुक्ति पत्र

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों को पुरस्कार राशि तथा नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस अवसर पर उन्होंने 19वें एशियाई खेल-2022, चतुर्थ पैरा एशियाई खेल-2022 एवं 37वें राष्ट्रीय खेल-2023 में पदक अर्जित करने वाले एवं प्रतिभाग करने वाले उत्तर प्रदेश के 189 उत्कृष्ट खिलाड़ियों को 62 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि वितरित की। इसके साथ ही 7 पदक विजेता खिलाड़ियों को पुलिस उपाधीक्षक, जिला युवा कल्याण अधिकारी एवं यात्री/माल कर अधिकारी के रूप में नियुक्ति पत्र भी प्रदान किया। इस अवसर पर सीएम योगी नेऐलान किया कि जहां भारत सरकार की ओर से हर जनपद में खेलो इंडिया सेंटर की स्थापना की जा रही है, उसी तर्ज पर प्रदेश के हर ब्लॉक में खेलो उत्तर प्रदेश सेंटर की स्थापना करेंगे। इसके लिए खेल विभाग के साथ मिलकर एक राशि निर्धारित की जाएगी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने पहले ही तय किया है कि जो खिलाड़ी खेलों के उपरांत अपना समय दे सकते हैं उनको खेलो यूपी सेंटर में निश्चित मानदेय पर कोच नियुक्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि ब्लॉक स्तर पर अच्छे कोच होंगे तो हमारे खिलाड़ी और भी निखर सकेंगे और हम देश और विदेश में बेहतरीन प्रदर्शन कर सकेंगे।

पिछले 10 वर्षों में बदला खेलों का माहौल

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले दस वर्ष के अंदर खेलों में एक माहौल बना है। युवा ऊर्जा के प्रोत्साहन के लिए जो एक नया प्लेटफॉर्म प्रधानमंत्री जी ने दिया है, उनके विजन को उनकी भावनाओं के अनुरूप जमीनी धरातल पर उतारने के लिए प्रदेश सरकार ने प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में देश की 16 आबादी निवास करती है और हमारे खिलाड़ियों ने एशियन गेम्स के 25 फीसदी मेडल प्राप्त किए हैं। नेशनल गेम्स में भी यूपी के खिलाड़ियों ने अच्छा किया है और उसे और भी अच्छा करने के लिए यह सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि पिछला एक सप्ताह हम लोगों के लिए प्रदेश की विभूतियों कोसम्मानित करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। 22 जनवरी को 500 वर्षों का इंतजार करते हुए प्रभु श्रीरामलला अपने दिव्य औरभव्य मंदिर में फिर से विराजमान हुए हैं। पूरा देश और दुनिया इस उत्साह वर्धक आयोजन की साक्षी बनी और उसे देखने के लिए उत्सुक है। ये केवल श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम नहीं था, भारत के गौरव की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम संपन्न हुआ है। 24 जनवरी को उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर हमने अपनी तमाम विभूतियों को सम्मानित किया था। 26 जनवरी को राजभवन में खेलों में शानदार प्रदर्शन करने वाली विभूतियों को लक्ष्मण पुरस्कार और रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार प्रदान किया गया।

आज सरकार पैसा भी दे रही और नौकरी भी

सीएम योगी ने कहा कि आज 189 खिलाड़ियों को 62 करोड़ की राशि प्रदान की गई है तो 7 खिलाड़ियों को नियुक्ति पत्र दिए गए हैं।यही परिवर्तन होता है जब नेतृत्व अच्छा होता है। पहले पैसा देकर नौकरी खरीदते थे, लेकिन आज सरकार नौकरी भी दे रही है और पैसाभी दे रही है। अपनी विभूतियों को सम्मानित करना राष्ट्र की प्रतिष्ठा का कार्यक्रम है। अपने देश की पुनप्रतिष्ठा और गौरव को स्थापित करना ये सम्मान का कार्यक्रम उसी का हिस्सा है। प्रदेश में खेलो इंडिया खेलो से जो शुरूआत हुई, सांसद खेलकूद प्रतियोगिता, उत्तरप्रदेश में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स, ये सभी आयोजन पूरी भव्यता के साथ संपन्न हुए। सरकार ने पहले से संकल्प लिया है कि हमहर जनपद में स्टेडियम बनाएंगे, हर ब्लॉक स्तर पर मिनी स्टेडियम बनाएंगे, हर ग्राम पंचायत में खेल का मैदान और ओपन जिम बनाएंगे।इसके साथ ही खेल और खिलाड़ियों की प्रोत्साहन राशि में बढ़ोतरी हो, इसका भी प्राविधान करेंगे। उत्तर प्रदेश देश में अग्रणी राज्य है जिसने अब तक 500 से अधिक खिलाड़ियों को नियुक्ति पत्र देकर नौकरी प्रदान कर दी है। इसमें डिप्टी एसपी के पद से लेकर केपुलिस में भर्ती तक स्थान प्रदान किया गया है।

परिणाम अच्छा लाएंगे तो सरकार पलक पावड़े बिछाकर सम्मान करेगी

सीएम योगी ने कहा कि जो पैरा खिलाड़ी हैं इनके लिए भी व्यवस्था होनी चाहिए। मेडल प्राप्त करने वाले इन खिलाड़ियों को भी हम नियुक्ति दे सकें। यह हमारी विभूतियां हैं। इन्होंने अपने सामर्थ्य से देश का और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि जब एशियन गेम्स में हमारे राज्य की बालिका ने कहा कि गोल्ड मेडल इसलिए जीती हूं क्योंकि हमारे राज्य में डिप्टी एसपी का पद मिलेगा, उसी दिनतय किया कि सम्मान समारोह में इस बालिका को डिप्टी एसपी का पद जरूर दो। सीएम योगी ने आए हुए युवा खिलाड़ियों से कहा किअब आपके लिए बहुत से अवसर हैं। इसीलिए प्रदेश के सभी 75 जनपदों से हमने खिलाड़ियों को यहां बुलाया है, ताकि वो इस कार्यक्रम को देख सकें। परिणाम अच्छा लाएंगे तो सरकार पलक पावड़े बिछाकर इसी तरह आपका सम्मान करेगी, आपके जीवन काध्यान रखेगी। इसके लिए आपको खुद को तैयार करना है। राज्य सरकार ने सिर्फ संसाधन ही नहीं बढ़ाए हैं, बल्कि प्रोत्साहन राशि भीबढ़ाई है। नौकरियां भी दे रहे हैं और अन्य प्रकार की सुविधाओं में भी बढ़ोतरी कर रहे हैं। और भी अच्छे प्रयास किए जाएंगे। सीएम नेखेल विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि एशियन गेम्स में जिन लोगों ने मेडल प्राप्त किए हैं उन्हें प्रदेश के स्पोर्ट्स कॉलेज औरस्पोर्ट्स हॉस्टल या जनपद स्तर पर जो भी कार्यक्रम चल रहे हैं वहां का दौरा जरूर कराएं। ये लोग वहां अपने अनुभव जरूर शेयर करें, ताकि नवोदित खिलाड़ी भी प्रेरणा प्राप्त कर सकें। उन्होंने आश्वासन दिया कि डबल इंजन की सरकार आपके हितों का संवर्धन करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य करती रहेगी।

इस अवसर पर केंद्रीय खेल और युवा कल्याण मंत्री अनुराग ठाकुर, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एवं ब्रजेश पाठक, वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, खेल युवा कल्याण मंत्री गिरीश चंद्र यादव, मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, प्रमुख सचिव खेल आलोक कुमार, प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद, प्रमुख सचिव परिवहन एल वेंकटेश्वर लू, खेल सचिव सुहास एलवाई एवंअन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे।

खेलों में भी उत्तर प्रदेश होगा सबसे आगेः अनुराग ठाकुर

केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने खिलाड़ियों से कहा कि आपने एक ऐसी उड़ान भरी है, जिसने देश का मान सम्मान बढ़ाया है।उन्होंने खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए सीएम योगी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले देश के अखबारों मेंअगर हेडलाइन बनती थी तो घोटालों की बनती थी। अब कॉमनवेल्थ के घोटाले की चर्चा नहीं होती, मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों कानाम छपता है। लगभग एक दशक में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है। प्रधानमंत्री जी ने जहां खेलों का बजट 3 गुना बढ़ाया है तोवहीं उत्तर प्रदेश में भी खेलों को प्रोत्साहन मिला है। आज खिलाड़ियों को इतनी सुविधाएं मिल रही हैं कि उन्हें अपने खर्चे पर नहीं, बल्कि परफॉर्मेंस पर ध्यान देना होता है। यही वजह है कि एशियन गेम्स में खिलाड़ियों ने 107 मेडल जीतकर इतिहास रच दिया। पैराएशियन खिलाड़ियों ने इस आंकड़े को भी पार कर लिया। जितना आप सबने किया, उससे बढ़झचढ़कर सरकारों ने प्रोत्साहन दिया। आप सबने वो करके दिखाया, जिस पर आपको ही नहीं पूरे समाज को और पूरे देश को गर्व है। ये पड़ाव नहीं शुरूआत है। आपकी उपलब्धि युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा है। योगी जी ने जो संकल्प लिया है, निश्चित रूप से उत्तर प्रदेश खेलों में सबसे आगे रहने वाला है। योगी जी उत्तर प्रदेश को खेलों में आगे ले जाना चाहते हैं,उनके सपने को साकार करने की जिम्मेदारी आप सबकी है। उन्होंने कहा कि देश का सबसे बड़ा राज्य उत्तर प्रदेश हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है, पूरे देश को यहां से ऊर्जा मिल रही है। पहले उत्तर प्रदेश का नाम दंगों के लिए आता था, अब यहां दंगल होते हैं। पहले सड़कों पर गोलियां चलती थीं, लेकिन अब हमारे शूटर ओलंपिक में पदक पर निशाना साधते हैं। योगी जी आप सुविधाएं देते रहें, हमारे खिलाड़ी इतिहास रचते रहेंगे।

225 करोड़ साल पुराना है वो काला पत्थर, जिससे बनी है रामलला की मूर्ति

रामलला की मूर्ति को बनाने में इस्तेमाल हुए काले पत्थर को कर्नाटक के मैसूरु जिले के जयापुरा होबली गांव से लाया गया. यह क्षेत्रहाई क्वालिटी वाली ग्रेनाइट खदानों के लिए जाना जाता है. यह चट्टान प्री कैम्ब्रियन काल की है।

करण वाणी, न्यूज

अयोध्या। श्याम रंग, सम्मोहित करती चमकीली आंखें, मनमोहक मुस्कान और भव्य श्रृंगार के साथ अयोध्या के भव्य मंदिर में प्रभु श्रीराम के बालस्वरूप का विराजमान हो चुका है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 जनवरी को पूरे विधि विधान के साथ श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा की. मंगलवार से राम मंदिर के कपाट आम श्रद्धालुओं के लिए खुल चुके हैं. रामलला की मूर्ति को मैसूर के रहने वाले मूर्तिकार अरुण योगीराज ने बनाई है. 51 इंच की मूर्ति को काले पत्थर से बनाई गई है. कर्नाटक से लाए गए ये पत्थर 2.5 अरब साल (225 करोड़ साल) पुरानी है. शास्त्रों में ब्लैक ग्रेनाइट को कृष्ण शिला (शालीग्राम) कहा जाता है।

बेंगलुरु के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रॉक मैकेनिक्स ने ब्लैक ग्रेनाइट (शालीग्राम) की टेस्टिंग की है. भारत के डैम और न्यूक्लियर पावर प्लांट के लिए चट्टानों की टेस्टिंग करने वाली नोडल एजेंसी है. इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर एचएस वेंकटेश ने फिजिको मैकानिकल एनालिसिस का इस्तेमाल कर पत्थर की टेस्टिंग की है।

डॉ. वेंकटेश ने कहा, पूरा पत्थर एक रंग में है. इसमें किसी भी तरह की नक्काशी के लिए विशेष गुण हैं. इन पत्थरों में कोई दरार नहीं आती है. काले पत्थर पानी को अवशोषित नहीं करता है या कार्बन के साथ प्रतिक्रिया भी नहीं करता है. यानी रामलला की मूर्ति पर दूधसे अभिषेक करने, रोली या चंदन लगाने से भी कोई नुकसान नहीं होगा।

डॉ. वेंकटेश कहते हैं, ह्लकाले चट्टान ज्यादा टिकाऊ और क्लाइमेट रेजिस्टेंट हैं. ये कम से कम मेनटेनेंस के साथ इस उपोष्णक टिबंधीय क्षेत्र में हजारों साल तक टिकी रहेंगी. बता दें कि ग्रेनाइट एक अत्यंत कठोर पदार्थ है. ज्यादातर ग्रेनाइट पत्थरतब बनीं, जब पृथ्वी के निर्माण के बाद पिघला हुआ लावा ठंडा हो गया।

वहीं, केंद्रीय विज्ञान मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि राम मंदिर के निर्माण में हर चीज का खास ख्याल रखा गया है. इसमें पारंपरिक वास्तुशिल्प डिजाइन से लेकर हाई क्वालिटी वाले पत्थरों का इस्तेमाल हुआ है. इसे हजारों साल तक टिकाऊ बनाने के लिए इसमें आधुनिक विज्ञान और इंजीनियरिंग तकनीकों को शामिल किया गया. जितेंद्र सिंह ने कहा कि राम मंदिर को 1000 से अधिक साल टिकेरहने के लिए डिजाइन किया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, रामलला की मूर्ति को बनाने में इस्तेमाल हुए काले पत्थर को कर्नाटक के मैसूरु जिले के जयापुरा होबली गांव से लाया गया. यह क्षेत्र हाई क्वालिटी वाली ग्रेनाइट खदानों के लिए जाना जाता है. यह चट्टान प्रीझ्रकैम्ब्रियन काल की है, अनुमान है कि पृथ्वी की उत्पत्ति लगभग 4.5 अरब वर्ष पहले हुई थी. जिस काली ग्रेनाइट चट्टान से रामलला की मूर्ति बनाई गई है, उसने पृथ्वी के इतिहास का कम से कम आधा या अधिक हिस्सा देखा है।

यह चट्टानें प्री कैम्ब्रियन युग की है, जिसकी शुरूआत करीब 4 अरब से ज्यादा साल पहले हुई मानी जाती है. अनुमान है कि पृथ्वी की उत्पत्ति लगभग 4.5 अरब वर्ष पहले हुई थी. यानी जिस काले ग्रेनाइट चट्टान से रामलला की मूर्ति बनाई गई है, उसने पृथ्वी के इतिहास का कम से कम आधा या अधिक हिस्सा देखा है।

ऐसा माना जाता है कि 14 मिलियन साल पहले पृथ्वी पर मानवों की उत्पत्ति हुई. होमो सेपियंस प्रजाति सिर्फ 300,000 साल पुरानी है. ऐसे में वैज्ञानिकों का अनुमान है कि पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति लगभग 4 अरब वर्ष पहले हुई थी।

अरुण योगीराज ने बनाई मूर्ति

काले ग्रेनाइट पत्थर को मैसूरु के रहने वाले 38 वर्षीय अरुण योगीराज ने एक सुंदर मूर्ति में तब्दील किया. अरुण योगराज अपने परिवार की पांचवीं पीढ़ी के मूर्तिकार हैं. श्रीरामलला की मूर्ति तैयार करने में उन्हें लगभग 6 महीने लगे. सोमवार को प्राण प्रतिष्ठा के वक्त अरुण योगीराज ने कहा था कि वे खुद को दुनिया के सबसे भाग्यशाली शख्स मानते हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने काशी में गढ़े विकास के नए आयाम

करण वाणी, न्यूज

वाराणसी। प्राचीन काल से ही काशी अपनी संस्कृति ,धर्म अध्यात्म और विरासत विश्व में मशहूर रही है। मगर, मुख्यमंत्री योगीआदित्यनाथ के विजन से समग्र विकास के पथ पर अग्रसर काशी एक बार फिर अपने नव्यझ्रभव्य रूप के कारण दुनिया में चर्चा का विषयबनी हुई है। उल्लेखनीय है कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार वाराणसी में पर्यटन विकास के लिए 171.30 करोड़ रुपए की लागतसे 87 कार्य परियोजनाओं की पूर्ति पर फोकस कर रही है। इनमें से कई परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं जबकि कई मेगा प्रोजेक्ट्स काविभिन्न चरणों में विकास जारी है। पर्यटन विकास के नए कार्यो के जरिए काशी में पर्यटन उद्योग को नई गति भी मिल रही है। काशी के समग्र और सुव्यवस्थित विकास का खाका खींच कर योगी सरकार काशी को विश्व पर्यटन के मानचित्र पर तेजी से ला रही है। पर्यटन विभाग के डिप्टी डायरेक्टर राजेंद्र कुमार रावत ने बताया कि पिछले 10 सालों में 59.42 करोड़ रुपए की लागत से 37 पर्यटन के विकास कार्यो को कराया जा चुका है। जबकि 50 पर्यटन विकास के कार्य चल रहे है जिसकी लागत 111.88 करोड़ रुपए है।

59.42 करोड़ रुपए की लागत से पूर्ण हुए प्रमुख पर्यटन विकास के कार्य

गलियों का शहर कहे जाने वाली काशी की गलियों का सौंदर्यी करण को आधुनिक तरीके से विकसित किया गया है। घाटों का सौंदर्यी करण कर

श्रद्धालुओ के लिए सुविधाजनक बनाया गया है। मार्कण्डेय महादेव मंदिर, सारंग नाथ तालाब, शूलटंकेश्वर मदिर गंगाघाट व अन्य मंदिरों और घाटों, पंचक्रोशी यात्रा समेत कई धार्मिक यात्राओं और मार्ग में पड़ने वाले मंदिरों का विकास व पुनर्रुद्धार कार्योको पूर्ण कराया गया है। इसके अतिरिक्त, सारनाथ में लाइट एंड साउंड शो, बुद्धा थीम पार्क, संत शिरोमणि रविदास जी के जन्मस्थली पर जन सुविधा के कार्य, गुरुधाम मन्दिर, क्रूज बोट का संचालन, लाल बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट पर पर्यटन सूचना केंद्र, नृसिंह मठ, संकुलधारा मठ, राजघाट पर चेंजिंग रूम, पिंडरा में माँ भद्रकाली मंदिर के सौंदर्यी करण के कार्यों को भी पूर्ण किया गया है।

111.88 करोड़ रुपए की लागत से गतिमान प्रमुख पर्यटन विकास के कार्य

ओवरऑल टूरिज्म डेवलपमेंट के योजना के अंतर्गत काशी की चार धाम यात्रा, काशी विष्णु, द्वादश आदित्य यात्रा, नव दुर्गा, अष्ट भैरव, नव गौरी, विनायक, द्वादश ज्योतिर्लिंग के लिए पवनपथ का निर्माण कार्य तथा पंचक्रोशी यात्रा के पांच पड़ाव का पर्यटन विकास परियोजना के अंतर्गत कार्य जारी हैं। इसी प्रकार, रोहनिया, पिंडरा, शिवपुर आदि क्षेत्रो के ग्रामीण इलाकों में प्राचीन आस्था के कें द्रमंदिरों, तालाबों आदि का कार्य, रामनगर में शास्त्रीय घाट, जैन तीर्थंकर चंद्र प्रभु की जन्म स्थली चंद्रावती, सारनाथ के सारंग नाथ मंदिरका पर्यटन विकास, तथा मणिकर्णिका घाट स्थित सतुआ बाबा आश्रम का पर्यटन विकास एवं सौंदर्यीकरण का कार्य भी जारी है। दूसरी ओर, पर्यटन आवास गृह परेड कोठी व रही पर्यटन आवास गृह का उच्चीकरण मनारी रोड पर सरफेस पार्किंग, संत रविदास पार्क सौंदर्यी करण व जीर्णोद्धार, तेलियाना घाट पर निषादराज की प्रतिमा, मांडवी कुंड व गणेश मंदिर, हेलीपैड आदि पर्यटन विकास के कई कार्य अंतिम चरण में हैं।

मेहनत से पलट दी किस्मत, यूपी पीसीएस परीक्षा में लहराया परचम

रूची सिंह ने घर पर रहकर की पढ़ाई, बनीं डिप्टी जेलर

किसान परिवार की बेटी रूची सिंह ने कड़ी मेहनत और लगन से यूपी पीसीएस परीक्षा में सफलता हासिल कर अपनी प्रतिभा को साबित कर दिखाया है। रूची सिंह का चयन डिप्टी जेलर पद पर हुआ है, होनहार बेटी ने 27वी रैंक हासिल की। बड़ी बात यह है कि रूची ने घर पर रहकर ही तैयारी की।

पंकज सिंह चौहान

उन्नाव (करण वाणी, न्यूज)। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की तरफ से आयोजित यूपी पीसीएस परीक्षा-2023 के अंतिम चयन परिणाम में कई होनहारों ने सफलता का परचम लहराया है। इनमें उन्नाव के सोहरामऊ थाना क्षेत्र के निधान खेड़ा गांव की रहने वाली रूची सिंह का नाम भी शामिल है। रूची का चयन डिप्टी जेलर के पद पर हुआ है। बेटी की इस कामयाबी से परिजन बेहद खुश हैं और लोग घर जाकर उन्हें बधाई दे रहे हैं।

किसान परिवार की बेटी रूची सिंह ने कड़ी मेहनत और लगन से तीसरे प्रयास में यूपी पीसीएस परीक्षा में सफलता हासिल कर अपनी प्रतिभा को साबित कर दिखाया है। इसके साथ ही उन्होंने अपने गाँव और समाज को गौरवान्वित किया है और क्षेत्र का मान भी बढ़ाया है। यूपी पीसीएस 2023 में डिप्टी जेलर के पद पर चयनित रूची सिंह शुरू से ही मेधावी छात्रा रही हैं। इन्होंने 12वीं तक की पढ़ाई अवध कॉलेजिएट दरोगा खेड़ा से की है। इसके बाद लखनऊ से बीएससी की।

रूची सिंह ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, के अलावा पारिवारिक सदस्यों और अपने शिक्षकों को दिया है। अपनी इस सफलता पर रूची ने कहा है कि मुझे आज बहुत खुशी हो रही हैं कि मैंने अपने परिवार, समाज और गांव का नाम रोशन किया है। उन्होंने युवाओं से कहा है कि मैं चाहती हूं कि सभी युवा मेहनत से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करें, सफलता आपका इंतजार कर रही है।

रूची सिंह के पिता नीलेश सिंह एक किसान हैं। वो खेतीझकिसानी के साथझसाथ सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।नीलेश सिंह का कहना है कि बेटी रूची ने डिप्टी जेलर बनकर मेरा सर गर्व से ऊंचा कर दिया है, एक पिता के लिए इससे ज्यादा खुशी क्या हो सकती है। वहीं रूची की मां गृहणी हैं। उनका कहना हैं कि मुझे विश्वास था, कि मेरी बेटी एक दिन अफसर जरूर बनेगी। मैं आज बहुत खुश हूं।

रूची सिंह के बड़े भाई रंजीत प्रताप सिंह क्ष्र अफसर है। वैसे तो रूची के अलावा उनके परिवार में सरकारी सेवाओं में अफसर बनने का सिलसिला बरकरार है। रूची सिंह के 22 वर्षीय छोटे भाई जयदीप प्रताप सिंह भी वढढउर परीक्षा में पहली बार में ही इंटरव्यू तक पहुँच गए थे लेकिन उनका सलेक्शन नहीं हो पाया, बेटी रूची की इस सफलता से परिवार और गांव में खुशी का माहौल है। उनके घर पररिश्तेदार, सगेझसंबंधियों के अलावा आसपास के गांवों के लोग बधाई देने के लिए पहुंच रहे हैं। गांव वाले अपनी इस होनहार बेटी का सम्मान व स्वागत कर रहे हैं, ताकि क्षेत्र के अन्य युवा भी उससे प्रेरणा ले सकें।

छह दिन में 15 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किए श्रीरामलला के दर्शन

अयोध्या। श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद रामनगरी में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं का जत्था अनवरत देखा जा सकता है।प्राण प्रतिष्ठा से लेकर अबतक छह दिनों में 15 लाख से अधिक रामभक्तों ने नव्यझभव्य मंदिर में दर्शनझपूजन कर किया है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशा निर्देश पर गठित उच्चस्तरीय कमेटी की देख रेख में श्रद्धालुओं को सुगमता के साथ दर्शन पूजन की व्यवस्था उपलब्ध कराई जा रही है।

प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहले दिन यानी 23 जनवरी को मंदिर के पट भक्तों के लिए खुले तो लाखों की संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े। जानकारी के अनुसार रोजाना दो लाख से अधिक रामभक्त श्रीरामलला के दरबार में सुगमता पूर्वक पहुंचकर दर्शनझपूजन कर रहे हैं।

अयोध्या नगर से लेकर मंदिर परिसर में दिनभर जय श्रीराम का जय घोष गूंज रहा है। देश विदेश, विभिन्न राज्यों और उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से रोजाना बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्रीरामलला के दर्शन को पहुंच रहे हैं। वहीं रविवार को भी करीब दो लाख कि संख्या में श्रद्धालुओं ने श्रीरामलला के दर्शन किए।

शिवपाल यादव बोले, इंडी गठबंधन में मायावती होंगी शामिल?

करण वाणी, न्यूज

सपा के राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि भाजपा ईडी और सीबीआइ का भय दिखाकर विपक्ष के नेताओं को तोड़ने का काम कर रही है। सपा गठबंधन को मजबूत कर भाजपा को हराने का काम करेगी। शनिवार को एक निजी कार्यक्रम में पहुंचे शिवपाल पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश में आइएनडीआइए मजबूत हो रहा है।

सपा के राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि भाजपा ईडी और सीबीआइ का भय दिखाकर विपक्ष के नेताओं को तोड़ने का काम कर रही है। सपा गठबंधन को मजबूत कर भाजपा को हराने का काम करेगी।

शनिवार को एक निजी कार्यक्रम में पहुंचे शिवपाल पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश में आइएनडीआइए मजबूत हो रहा है। गठबंधन से सपा ही भाजपा को पराजित करेगी।

मायावती के गठबंधन में शामिल होने को लेकर उन्होंने कहा कि अब उनकी बात न की जाए तो ठीक है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर बोले कि भगवान सबके हैं और कण-कण में हैं। वह भी रामलला के दर्शन करेंगे। भाजपा के लोग सपा समर्थकों के नाम मतदाता सूची से कटवा रहे हैं, यह ठीक नहीं है।

गठबंधन एकजुट है, मिलकर चुनाव लड़ेंगे

सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने कहा, आइएनडीआइए गठबंधन एकजुट है।

सभी दलों से बातचीत हो चुकी है, सभी लोग मिलकर चुनाव लड़ेंगे, अभी इंतजार कीजिए। वह गणतंत्र दिवस पर जिला सहकारी बैंक में झंडारोहण के बाद पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे।

ज्ञानवापी को लेकर एएसआइ की रिपोर्ट पर उन्होंने कहा कि अभी न्यायालय का कोई फैसला नहीं आया है। न्यायालय का जो फैसला आएगा वह सभी को स्वीकार होगा। शिवपाल ने कहा कि केंद्र सरकार ने कोई वादा पूरा नहीं किया है, लगातार महंगाई बढ़ रही है। चीन ने देश की भूमि पर कब्जा कर लिया है। देश पर कर्ज बढ़ता जा रहा है। सरकार में बैठे लोग झूठ पर झूठ बोल रहे थे।

डॉ राजेश्वर सिंह ने गांव की शान में चार मेधावियों को किया सम्मानित

आपका विधायक- आपके द्वार, ग्राम पहाड़पुर में आयोजित हुआ 58वां जनसुनवाई शिविर

▶▶ 58वें आपका विधायक आपके द्वारह्य जनसुनवाई शिविर में सुनी गईं ग्राम पहाड़पुर के लोगों की समस्याएं, 4 मेधावियों को किया गया सम्मानित

▶▶ डॉ राजेश्वर सिंह की अनूठी पहल गांव की शान में रेवारी के चार मेधावियों को किया गया सम्मानित, यूथ क्लब की स्थापना कर युवाओं को दी गई स्पोर्ट्स किट

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। सरोजनी नगर विधानसभा विकास पथ पर अग्रणी है और इसका कारण है कि विधानसभा के अंतर्गत हर रोज अनेकों कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है जिसका उद्देश्य होता है हर वर्ग का उत्थान इसी क्रम में रविवार को भी जन सुविधाओं हेतु सरोजनीनगर में एक ओर जनसुनवाई शिविर आपका विधायक आपके द्वार आयोजित हुआ तो वहीं दूसरी ओर कम्बल वितरण अभियान के तहत जरूरतमंदों को ठंड से बचाव की मुहिम झेडी गई।

डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा प्रारंभ की गई सहज संवाद से समस्याओं के समाधान तक की अनुपम पहल आपका विधायक आपके द्वारह्य जनसुनवाई शिविर अब एक महाभियान बन गया है। ईडी की नौकरी छोड़ जनसेवा का संकल्प और अंत्योदय का लक्ष्य लेकर राजनीतिमें आए डॉ. राजेश्वर सिंह ने माता तारा सिंह की स्मृति में इस अभिनव पहल की शुरूआत की। जिसके अंतर्गत नियमित तौर पर हर गांवके हर व्यक्ति से सहज संवाद कर उनकी समस्याओं का समाधान किया जाता है। उसी क्रम में ग्राम पहाड़पुर में रविवार को 58 वांजनसुनवाई शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान विधायक की टीम ने ग्रामीणों से सहजता पूर्वक संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और विकास सम्बंधित सुझाव भी प्राप्त किये। सड़क, बिजली और पेंशन समेत कुल 20 समस्याएं

आई, जिसके शीघ्र व प्रभावी निस्तारण का सकारात्मक आश्वासन दिया गया।

विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विधायक डॉ सिंह द्वारा चलाए जा रहे ह्यगांव की शान पहल के अंतर्गत इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पहाड़पुर गांव के 4 मेधावियों आलोक सिंह, विशाल रावत, आकांक्षा गौतम और शिवानी को साइकिल, घड़ी व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया, सभी छात्रों ने विधायक का आभार व्यक्त किया। वहीं युवाओं को खेल के अवसर दिलाने तथा खेल संसाधनों के प्रसार के लिए ग्राम पहाड़पुर में यूथ क्लब का गठन कर वॉलीबॉल किट प्रदान कीगई।

इस दौरान ग्राम पहाड़पुर के 83 वर्षीय महेश प्रसाद को श्रीमद्भगवतगीता, अंगवस्त्र व सहायता राशि देकर सम्मानित किया गया। साथ ही माता तारा सिंह जी की प्रेरणा से आरंभ हुए ह्यतारा शक्ति निःशुल्क रसोईह्य के माध्यम से ग्रामवासियों को ताजा व स्वादिष्ट भोजन भी उपलब्ध कराया गया। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि जनता के लिए उपलब्धता, संवाद और जन समस्याओं के समाधान के लिए आपका विधायक आपके द्वारह्य जनसुनवाई शिविर अनवरत जारी रहेगा।

20 करोड़ में बनी हनुमान 250 करोड़ पारः सीक्वल पर 1000 करोड़ लगाने को तैयार प्रोड्यूसर्स

करण वाणी, न्यूज

साउथ फिल्म इंडस्ट्री लगातार माइथोलॉजी पर ऐसी फिल्में बना रही है जो बॉक्सऑफिस पर जबरदस्त कमाई कर रही हैं। मौजूदा ट्रेंड देखें तो ये छोटे बजट की माइथोलॉजिकल फिल्में सरप्राइज हिट भी साबित हो रही हैं।

हाल ही में आई 'हनुमान' का बजट 20 करोड़ था लेकिन 15 दिन में इसकी कमाई 250 करोड़ पार पहुंच गई है। फिल्म की सक्सेस को देखते हुए अब मेकर्स इसका सीक्वल 'जय हनुमान' बना रहे हैं जिस पर प्रोड्यूसर्स 1000 करोड़ तक लगाने को तैयार हैं।

ऋषभ शेट्टी की भूत कोला परंपरा पर बनी 'कांतारा' हो या भगवान कृष्ण पर बनी 'कार्तिकेय 2'। साउथ में बनी ये फिल्में अब पैन इंडिया ही नहीं बल्कि ग्लोबली भी सक्सेस हासिल कर चुकी हैं।

12 जनवरी को रिलीज हुई तेलुगु फिल्म हनुमान ने अब तक ग्लोबली 250 करोड़ रु. का कलेक्शन किया है। 15वें दिन भी इसने बॉक्स-ऑफिस पर 8.35 करोड़ की कमाई की है।

फिल्म ट्रेड एनालिस्ट सुमित कडेल ने सोशल मीडिया पर फिल्म की सक्सेस के बारे में लिखा है, 'ये फिल्म आस्था, भक्ति, ह्यूमर, इमोशन और एक्शन का मिलाजुला जबरदस्त कॉम्बिनेशन है इसलिए जबरदस्त परफॉर्म कर रही है।'

वहीं, जब हमने ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श से इन लो-बजट माइथोलॉजिकल फिल्मों के हिट होने की वजह पूछी तो उन्होंने कहा कि वहां (साउथ) के मेकर्स सच्चाई के साथ फिल्में बनाते हैं।

'हनुमान' बहुत ही कमाल की फिल्म है। इस कहानी के साथ-साथ उन्होंने जो फिल्म में हनुमान जी का पात्र डाला है वो वाकई में काबिले तारीफ है। फिल्म का एंड बहुत ही शानदार है। ओवरऑल मेकर्स ने हमारे रिलीजन को पूरी सच्चाई से पेश किया है।

साउथ में पौराणिक फिल्मों के ट्रेंड पर उन्होंने कहा, 'ऐसा नहीं है कि साउथ के मेकर्स सिर्फ माइथोलॉजिकल फिल्में ही बनाते हैं पर हां इतना जरूर है कि जब भी वो ऐसी फिल्में बनाते हैं तो सबकी भावनाओं का ध्यान रखते हुए पूरी ईमानदारी से बनाते हैं।

उसमें कोई बेवजह का ट्रैक एड नहीं करते जिस तरह से हमने 'आदिपुरुष' में किया। हमने 'रामायण' के नाम पर 500 करोड़ में कितनी वाहियात फिल्म बनाई थी वहीं आप साउथ की 'हनुमान' और 'कार्तिकेय-2' देखिए।'

12 जनवरी को हनुमान का बॉक्स ऑफिस पर तीन बड़ी फिल्मों से कॉम्पिटिशन था। किसी ने नहीं सोचा था कि तीन बड़ी स्टार्स की फिल्मों के साथ रिलीज हो रही तेजा सज्जा जैसे न्यूकमर की फिल्म हनुमान ब्लॉकबस्टर साबित होगी और 15 दिन में 250 करोड़ रु. का आंकड़ा छू लेगी।

हनुमान के साथ कटरीना कैफ और विजय सेतुपति स्टारर ह्यमैरी क्रिसमस रिलीज हुई थी। कटरीना और विजय जैसे बड़े स्टार्स की इस फिल्म से काफी उम्मीदें लगाई गई थीं लेकिन ये पिट गई। 60 करोड़ में बनी इस फिल्म ने अब तक केवल 23 करोड़ का कलेक्शन किया है।

इसका बजट 50-60 करोड़ के आसपास था।

इसके अलावा महेश बाबू की गुंटूर कारम भी रिलीज हुई थी जिसने पहले दिन 94 करोड़ का रिकॉर्ड तोड़ कलेक्शन किया था। फिल्म 15 दिन में वर्ल्डवाइड 250 करोड़ कमा चुकी है लेकिन अब इसका कलेक्शन गिर गया है। वहीं हनुमान का कलेक्शन थमने का नाम नहीं ले रहा है।

वर्मा के मुताबिक, लोग उनसे कह रहे हैं कि वो फिल्म के सीक्वल ह्यजय हनुमानह्ल को बनाने के लिए उन्हें 1000 करोड़ रु. तक देने को तैयार हैं लेकिन वो ऐसा नहीं करना चाहते हैं।

DNM GROUP OF INSTITUTIONS
LUCKNOW
पॉलिटेक्निक
डी. फार्मा
बी.ए.
बी.एस.सी
Admission Open
7880341111
www.dnmiet.ac.in
एन.एच.25-ए,कटी बगिया (साई मंदिर के पास), बंथरा, कानपुर रोड, लखनऊ

करें टॉप 5 सब्जियों की खेती,

करण वाणी, न्यूज

खेती-किसानी के काम को मौसम के अनुरूप करने से अच्छा उत्पादन मिलता है। यदि मौसम के अनुसार सही समय पर फसल की बुवाई का काम किया जाए तो इससे अच्छी पैदावार तो मिलती ही है, साथ ही बेहतर मुनाफा भी होता है। इसलिए किस महीने किस फसल की बुवाई करनी चाहिए ये हमें पता होना चाहिए, तभी हम उस फसल का अच्छा उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। चाहे वो अनाज हो या दलहनी फसल हो या फिर सब्जियों की फसल ही क्यूं न हो। इस समय गेहूं की बुवाई लगभग पूरी हो गई है। गेहूं लंबी अवधि की फसल है। इस बीच किसान सब्जी की खेती कर-के इससे अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। ऐसी कई सब्जियां हैं, जो कम लागत में अच्छी कमाई देती हैं। आप इनकी खेती जनवरी माह में करके अच्छी इनकम प्राप्त कर सकते हैं। आज हम आपको जनवरी माह में उगाई जाने वाली चुनिंदा 5 टॉप सब्जियों की खेती की जानकारी दे रहे हैं जिससे आप काफी अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं।

टर की खेती

मटर की खेती काफी लाभकारी खेती होती है। मटर की खेती करके किसान काफी अच्छा पैसा बना सकते हैं। मटर को दो तरीके से बेचा जा सकता है। एक तो मटर को ताजा सब्जी के रूप में बेच सकते हैं और दूसरा मटर की प्रोसेसिंग करके उन्हें पैकिंग में बेचा जा सकता है जो लंबे समय तक चलता है। इस मटर को फ्रोजन मटर कहा जाता है। ऐसे में आप इसे साल भर बेचकर अच्छा पैसा कमा सकते हैं। मटर की खेती के लिए आप इसकी अपर्णा मटर, आर्किल मटर, जवाहर मटर, काशी उदय मटर, पंत सब्जी मटर जैसी उन्नत किस्मों का चयन कर सकते हैं। इसमे आपको अपने क्षेत्र के अनुसार मिट्टी और जलवायु के आधार पर मटर की किस्म का चयन करना चाहिए।

ब्रोकली की खेती

जनवरी में ब्रोकली की खेती भी अच्छा मुनाफा देती है। खास बात ये हैं कि इसके बाजार में काफी अच्छे भाव मिल जाते हैं। ये स्वास्थ्य की दृष्टि से काफी लाभकारी सब्जी मानी जाती है। इसलिए इसकी मांग बडी-बड़ी होटलों मे अधिक होती है। इसे बड़े- मॉल्स और बाजारों में बेचा जाता है। आजकल कई कंपनियों ने अपने स्टोर्स खोल रखें हैं जहां इन्हें बेचा जाता है। ब्रोकली की खेती लाभकारी खेती मानी जाती है। इसकी खेती करके लागत से अधिक मुनाफा कमाया जा सकता है। आप ब्रोकली की ऑर्गेनिक खेती करके काफी अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। अब बात करें ब्रोकली की किस्मों की तो इसकी किस्मों में ब्रोकली की सफेद, हरी व बैंगनी किस्में आती है, लेकिन इनमें से हरी ब्रोकली की किस्म ही सबसे ज्यादा पसंद की जाती है। ब्रोकली की प्रमुख किस्मों में नाइन स्टार, पेरिनियल, इटैलियन ग्रीन स्प्राउटिंग या केलेब्रस, बाथम 29 और ग्रीन हेड शामिल हैं।

मूली की खेती

मूली की खेती कम लागत में अधिक उपज देने वाली किस्म मानी जाती है। यह सर्दियों के मौसम में काफी अच्छी पैदावार देती है क्योंकि इस फसल की तासीर ठंडी होने से इसे धूप की कम आवश्यकता पड़ती है। इसलिए इसे सर्दियों में ही उगाया जाता है। मूली खाने से पाचनक्रिया सही रहती है। कई रोगों में मूली के बीजों व रस को औषधी के रूप में प्रयोग में लिया जाता है। ज्यादातर इसका उपयोग सलाद व सब्जी बनाने व मूली के परांठे बनाने में किया जाता है। इसके पत्तों को पशुओं को खिलाने में काम में लिया जा सकता है। मूली की खेती के लिए किसान भाई इसकी उन्नत किस्मों में मूली की जापानी सफेद, पूसा देशी, पूसा चेतकी, अर्का निशांत, जौनपुरी, बॉम्बे रेड, पूसा रेशमी जैसी उन्नत किस्मों की बुवाई कर सकते हैं।

फ्रेंच बीन की खेती

किसान भाई फ्रेंच बीन की खेती करके भी अच्छी-खासी कमाई कर सकते हैं। फ्रेंच बीन को ताजा हरी सब्जी के रूप में खाया जाता है। इसके अलावा इसे सूखा कर राजमा और लोबिया के रूप में भी खाया जाता है। इस तरह ये सब्जी भी अधिक दिनों तक संग्रहित करके रखी जा सकती है और इसका उपयोग भी अधिक समय तक किया जा सकता है। ऐसे में इसकी खेती भी किसानों के लिए मुनाफे का सौदा साबित हा सकती है। फ्रेंच बीन की दो तरह की किस्में आती हैं, पहली झाड़ीदार किस्में और दूसरी बेलदार किस्में। झाड़ीदार किस्मों में कंटेंडर, जाइंट स्ट्रींगलेस, पेसा पार्वती, अकार कोमल आदि आती हैं। वहीं बेलदार किस्मों में पूसा हिमलता, केंटुकी वंडर आदि किस्में हैं। इनमें से किसान अपने क्षेत्र की जलवायु व मिट्टी के आधार पर इसका चयन कर सकते हैं। किसान एक बात का विशेष ध्यान रखें कि इसकी फसल के लिए ज्यादा सर्दी और ज्यादा गर्मी दोनों ही हानिकारक है। इसलिए इसे ऐसे स्थान पर बोये जहां न ज्यादा सर्दी हो और न ही ज्यादा गर्मी। सर्दियों में इसकी फसल को पाले से बचाव करना जरूरी है।

पालक की खेती

पालक की खेती से भी किसान अच्छा लाभ कमा सकते हैं। इसकी खेती भी सर्दियों में काफी आसानी से की जा सकती है। सर्दियों में लोग हरे पालक की सब्जी, कई सब्जियों के साथ जैसे- पालक पनीर, आलू पालक, सादा पालक की सब्जी बनाकर खाई जाती है। इसके अलावा कई चीजों में भी इसे डालकर खाया जाता है। पालक के परांठे भी लोग बड़े चाव से खाते हैं। पालक आयरन का उत्तम स्त्रोत हैं। इसका प्रयोग गाजर के ज्यूस में भी किया जाता है। इसकी बाजार में मांग भी अच्छी रहती है और इसके दाम भी बेहतर मिल जाते हैं। इसलिए ये कहा जा सकता है कि पालक की खेती किसी भी तरह से किसानों के लिए घाटे का सौदा नहीं है। किसान इसकी बुवाई के लिए आल ग्रीन, पूसा हरित, पूसा ज्योति, बनर्जी जाइंट, जोबनेर ग्रीन जैसी उन्नत किस्मों का चयन कर सकते हैं।

जोजोबा की खेती, 1 लीटर तेल की कीमत लगभग 7000 रुपये

एक एकड़ में जोजोबा की खेती करने से 5 क्विंटल बीज निकलता है, वहीं अगर बाजार में इसकी कीमत की बात करें तो जोजोबा के 1 लीटर तेल की कीमत लगभग 7000 रुपये है।

करण वाणी, न्यूज

धीरे-धीरे खेती उन्नत होती जा रही है, किसान अब ऐसी फसलों की तरफ ध्यान दे रहे हैं जिनसे उन्हें मोटा मुनाफा हो. इन्हीं फसलों में से एक है जोजोबा. यह फसल ज्यादातर रेगिस्तान वाले इलाकों में होती है. भारत में राजस्थान एक ऐसा राज्य है जहां की किसान ने फसल के जरिए लाखों की कमाई सालाना करते हैं. आज हम आपको इसी फसल से जुड़ी जानकारी उपलब्ध कराएंगे और इसके साथ ही बताएंगे कि अगर आप अपने राज्य में इसकी खेती करना चाहें तो कैसे कर सकते हैं।

जोजोबा के उपज की बात करें तो यह अन्य फसलों के मुकाबले काफी ज्यादा है. एक एकड़ में जोजोबा की खेती करने से 5 क्विंटल बीज निकलता है. वहीं अगर बाजार में इसकी कीमत की बात करें तो जोजोबा के 1 लीटर तेल की कीमत लगभग 7000 रुपये है. आपको बता दें 5 क्विंटल सीड से 250 लीटर तेल निकल सकता है।

जोजोबा के बीज से निकलने वाले तेल में वैक्स एस्टर मौजूद होते हैं. ये वैक्स एस्टर, मॉइस्चराइजर, शैंपू, बालों के तेल, लिपस्टिक, कंडीशनर, एंटी-एजिंग और सन केयर प्रॉडक्ट्स बनाने में इस्तेमाल किये जाते हैं. इसके अलावा केमिकल्स और दवायें बनाने में भी इसका बड़े पैमाने पर प्रयोग किया जाता है।

जोजोबा की फसल मुख्य रूप से राजस्थान में होती है. हालांकि, कृषि विशेषज्ञों की मानें तो पंजाब, हरियाणा उड़ीसा, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के किसान भी जोजोबा की खेती करके अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं. यूपी और बिहार वाले किसान भी इस फसल में अपने हाथ आजमां सकते हैं, लेकिन बस उन्हें थोड़ी तकनीक का भी इसकी खेती के लिए सहारा लेना पड़ेगा. हालांकि, बुंदेलखंड के कुछ इलाकों में इसकी फसल बोई जा सकती है और उससे मुनाफा भी कमाया जा सकता है।

नीतीश कुमार को जनता सिखाएगी सबक: शरद पवार

एनसीपी के मुखिया शरद पवार का कहना है कि वह अब भी नहीं समझ पा रहे हैं कि 10-15 दिन में ऐसा क्या हुआ जो विपक्ष को बीजेपी के खिलाफ एकुजट करने वाले नीतीश ही उनसे जा मिले।

करण वाणी, न्यूज

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विपक्ष के महागठबंधन को छोड़कर एनडीए में शामिल होने की घटना ने सभी विपक्षी दलों को बैकफुट पर ला दिया है. इस पूरे घटनाक्रम से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (ठउढ) के दिग्गज नेता शरद पवार (रँ१ं ढं६१) काफी हैरान हैं. उन्होंने इसके लिए नीतीश कुमार की आलोचना भी की है.

एनसीपी के मुखिया शरद पवार इस बात से आश्चर्य में हैं कि आखिर नीतीश कुमार का हृदय परिवर्तन कैसे हुआ, ऐसा क्या हुआ कि आगामी लोकसभा चुनावों में इखढ का मुकाबला करने के लिए इंडिया ब्लॉक को अस्तित्व में लाने वाले नीतीश कुमार ने बीजेपी का ही हाथ थाम लिया.

जनता जरूर सिखाएगी सबक

शरद पवार ने बिहार में महागठबंधन को खत्म करने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमला करते हुए कहा कि वह बीजेपी के खिलाफ इंडिया ब्लॉक पर काम कर रहे थे, मुझे नहीं पता कि अचानक क्या हुआ जो वह बीजेपी के साथ चले गए, लेकिन भविष्य में जनता उन्हें उनकी भूमिका के लिए सबक जरूर सिखाएगी.ह्व

पहले कभी नहीं देखी ऐसी स्थिति - शरद पवार

शरद पवार ने कहा कि इतने कम समय में पटना में जो कुछ भी हुआ, ऐसी स्थिति पहले कभी नहीं दिखी है. मुझे याद है कि यह नीतीश कुमार ही थे जिन्होंने आगामी लोकसभा चुनाव में बीजेपी से मुकाबला करने के लिए महागठबंधन की पहल की थी और सभी गैर-भाजपा दलों को पटना बुलाया था, लेकिन पिछले 10-15 दिनों में ऐसा क्या हुआ कि उन्होंने इस विचारधारा को छोड़ दिया और बीजेपी में शामिल होकर सरकार बना ली.

कांग्रेस ने किया नीतीश कुमार पर हमला

वहीं, नीतीश कुमार के बीजेपी के साथ हाथ मिलाने पर इंडिया ब्लॉक में शामिल दूसरे दलों के नेता ने बिहार के सीएम पर जमकर निशाना साधा है. कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि, "यह स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा से डरे हुए थे, जो बिहार में प्रवेश करने वाली है. बिहार के लोग विश्वासघात के इस एक्सपर्ट और उन्हें अपने इशारों पर नचाने वालों को माफ नहीं करेंगे." कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि वे जानते थे कि नीतीश कुमार दल बदल सकते हैं. देश में 'आया राम, गया राम' जैसे कई लोग हैं."

टीएमसी और सपा ने भी की आलोचना

टीएमसी ने कहा कि, "यह नया नहीं है. नीतीश कुमार राजनीतिक कलाबाजियों के लिए ही जाने जाते हैं. जनता इस तरह के अवसरवाद का जवाब देगी." समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने एक्स (पहले ट्विटर) पर पोस्ट में कहा, "बीजेपी कभी इतनी कमजोर नहीं हुई जितनी आज हो गई है. आज विश्वासघात का एक नया रिकॉर्ड बन गया है." एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, "तीनों दलों (जेडी(यू), राजद और बीजेपी) ने मिलकर बिहार के लोगों को उन मुद्दों पर धोखा दिया है जिनके बारे में उन्होंने बात की थी."

भारत जोड़ो न्याय यात्रा की बिहार में एंट्री

कांग्रेस नेता राहुल गांधी का भारत जोड़ो न्याय यात्रा आज बिहार में प्रवेश करेगी. कांग्रेस नेता अपनी यात्रा के दौरान बिहार के सीमांचल जिलों में कई रैलियों को संबोधित करेंगे. इसके बाद उनके यात्रा फिर से पश्चिम बंगाल में एंट्री करेगी।

करण वाणी, न्यूज

मणिपुर से शुरू हुई कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा पश्चिम बंगाल होते हुए मुस्लिम बहुल इलाके बिहार के किशनगंज पहुंचेगी. जो कांग्रेस का गढ़ भी कहा जाता है।

ऐसे होगा कांग्रेस नेता का कार्यक्रम

कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खान के अनुसार, राहुल गांधी किशनगंज में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करेंगे, जिसके बाद मंगलवार को सीमांचल जिले पूर्णिया में एक बड़ी रैली और एक दिन बाद कटिहार में भी रैली को संबोधित करेंगे और इसके बाद गुरुवार को अररिया जिले के रास्ते पश्चिम बंगाल के लिए रवाना होंगे. इसके बाद ये यात्रा झारखंड के रास्ते फिर से बिहार में एंट्री करेगी.

रैली में शामिल हो सकते हैं सहयोगी दल

वहीं, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा, बिहार में महागठबंधन के सहयोगी राजनीतिक दल राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद और सीपीआई (एमएल)-एल के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य को पूर्णिया की रैली में आमंत्रित किया गया है। कांग्रेस नेता के अनुसार, जदयू) अध्यक्ष नीतीश कुमार को भी पूर्णिया रैली में आमंत्रित किया गया था, लेकिन अब उन्हें महागठबंधन से अपना नाता तोड़कर एनडीए में शामिल हो गए हैं. वहीं, राहुल गांधी 2020 के विधानसभा चुनाव अभियान के बाद यह पहली बिहार की यात्रा पर आ रहे हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सीमा सिंह द्वारा प्वांइट ऑफसेट, 86/98 कुर्मी टोला गुरुगोविन्द सिंह मार्ग, लालकुआं, लखनऊ-226018 से मुद्रित एंव पहाड़पुर, पोस्ट बंथरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक- पंकज सिंह मो- 9415067370 E-mail:-karnvaninews@gmail.com website:- www.karnvaninews.com RNI-UPHIN/2016/74800